



माँ दुर्गा ज्वेलर्स

सोने एवं चांदी के आभूषणों के विक्रेता

उचित व्याज में गिरवी रखी जाती है।

शॉप नं.-69, सी-नाकेट, सेक्टर-6, भिलाई

मो.-9424124911

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में बुजुर्गों को मुफ्त बस पास की पहल गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के 1810 वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क बस पास उपलब्ध कराने की परिवहन विभाग की पहल को गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। विभाग के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों की सार्वजनिक परिवहन तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस व्यवस्था को विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता मिली है। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि को प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को समर्पित करते हुए कहा कि, यह केवल विभाग का रिकॉर्ड नहीं, बल्कि बुजुर्गों के सम्मान से जुड़ी पहल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में परिवहन व्यवस्था को सुविधाजनक बनाने के साथ उसे संवेदनशील बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। परिवहन विभाग के अनुसार, मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत 69 चर्यनित मार्गों पर बस संचालन से 450 नए गांव पहली बार यात्री बस सुविधा से जुड़े हैं। वर्ष 2026-27 में 200 नई बसों के संचालन की कार्ययोजना भी तैयार की गई है।

एनसीईआरटी का नया पाठ्यक्रम : कक्षा- नवमी के छात्र पढ़ेंगे इनकम टैक्स

रायपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने कक्षा-9 के पाठ्यक्रम में व्यक्तिगत आयकर को शामिल किया है और ईमानदारी से कर चुकाने को नागरिकों का एक महत्वपूर्ण दायित्व बताने वाला संदेश भी दिया गया है। नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के छह महीने बाद, मॉलवार को ‘अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी इंडिया एंड बियॉन्ड-पार्ट 2’ शीर्षक से किताब जारी की गई। पाठ्यपुस्तक का पहला भाग जून में जारी किया गया था। एनसीईआरटी प्रमुख दिनेश प्रसाद सकलानी के अनुसार, अब छात्र नयी व्यवस्था के तहत कर स्लैब के हिसाब से आयकर की वास्तविक गणना को समझ सकते हैं- इस आयु के बच्चों (कक्षा 9) के लिए यह पहली बार है और इसके साथ ही उन्हें शिक्षाप्रद जानकारी दी गई है।

48 घंटे में छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों से लौटेगा मानसून बाढ़ित का अलर्ट नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की विदाई के संकेत मिलने लगे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटे में प्रदेश के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए मौसम अनुकूल हो सकता है। इस दौरान प्रदेश में मौसम ड्राई रहेगा और किसी भी जिले के लिए बारिश या खराब मौसम का अलर्ट नहीं है। रायपुर में आज (2 अक्टूबर) मौसम साफ रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम करीब 25एए रह सकता है। गुरुवार को रायपुर में अधिकतम 33.4 डिग्री और न्यूनतम 24.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के लगभग पूरे हिस्से में मौसम ड्राई रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में भी बारिश की गतिविधियां सीमित रहने की संभावना है।

लवलीना बोरगोहेन का गोल्डन पंच : जन्मदिन पर एशियाड के बॉक्सिंग में जीता स्वर्ण पदक

■ चीन की बाओ जियी को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया

नईदिल्ली। भारत की दिग्गज मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन को यादगार बना दिया। दो अक्टूबर 1997 को जन्मी लवलीना ने अपने 29वें जन्मदिन पर एशियन गेम्स में महिलाओं के 75 किग्रा भार वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल में उन्होंने चीन की बाओ जियी को सर्वसम्मति से 5-0 से हराया। इस जीत के साथ लवलीना ने न केवल अपना पहला एशियाई खेल स्वर्ण जीता, बल्कि 75 किग्रा वर्ग में भारत के लिए भी इतिहास रच दिया।



सेमीफाइनल और फाइनल, दोनों मुकाबलों में लवलीना ने धीमी शुरुआत की और धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की। सेमीफाइनल में उन्होंने मुकाबले के अंत में आक्रामक रुख अपनाते हुए कजाखस्तान की मुक्केबाज को पूरी तरह दबा दिया और फाइनल

में जगह बनाई। हालांकि, स्वर्ण पदक का मुकाबला अलग रहा। आक्रामक अंदाज में खेल रहीं चीन की बाओ जियी के खिलाफ लवलीना ने क्लिंच का सहारा लिया, धैर्य बनाए रखा और सही समय का इंतजार करते हुए रणनीतिक तरीके से जवाबी पंच लगाए।

मुकाबले के अंत तक लवलीना ने पर्याप्त बढ़त बना ली थी। इसके बाद उन्होंने बाओ के हमलों से बचते हुए समय निकाला और मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनकी रणनीतिक समझ और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता ने उन्हें एशियन गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक दिलाया।

सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए

संपर्क करे
9303289950
7987166110



छत्तीसगढ़-ओडिशा महानदी जल विवाद: समाधान की दिशा में बड़ी पहल

उच्चस्तरीय बैठक में दोनों मुख्यमंत्रियों ने रखा अपना-अपना पक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के स्थायी समाधान की दिशा में नई दिल्ली में अहम बैठक हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित इस हाई लेवल बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहनचरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। दोनों राज्यों ने अपना-अपना पक्ष रखा।

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि महानदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि दोनों राज्यों की सभ्यता, संस्कृति, कृषि और जनजीवन से जुड़ी जीवनधारा है। महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा को बांटने वाली नहीं, बल्कि दोनों राज्यों को जोड़ने वाली नदी है। इसलिए इसका



समाधान भी प्रतिस्पर्धा या टकराव के बजाय सहयोग, विश्वास और सहमति की भावना से निकलना चाहिए। हमारा प्रयास ऐसा समाधान निकालने का होना चाहिए जिसमें दोनों राज्यों और यहां के नागरिकों के हित सुरक्षित हों। छत्तीसगढ़ न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और दीर्घकालिक समाधान का पक्षधर है। ऐसा समाधान दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार होना चाहिए।

ग्रामीण अंचलों की आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी

सीएम साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में होता है और इसके जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा प्रदेश में स्थित है। राज्य में कृषि, सिंचाई, पेयजल और विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की विकास आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए किसी भी स्थायी समाधान में छत्तीसगढ़ की इन वास्तविक

अमित शाह की पहल से समाधान की उम्मीद

उन्होंने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की ओर से की गई पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक संवाद से आपसी सहमति का रास्ता निकलने की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। दोनों राज्यों के बीच जल संबंधी प्रश्नों का सौहार्दपूर्ण समाधान राज्यों के बीच विश्वास, सहयोग और भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय से जटिल विषयों पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का माहौल बना है।

आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ अपने हितों की बात करते हुए ओडिशा की आवश्यकताओं और हितों का भी पूरा सम्मान करता है। हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है और छत्तीसगढ़ उसके महत्व को भली भांति समझता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हीराकुंड जलाशय के हितों और उसके सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।

2018 में महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन

बता दें कि महानदी जल बंटवारे से संबंधित विवाद के समाधान के लिए वर्ष 2018 में महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया गया था। इसके समानांतर आपसी संवाद और तकनीकी विमर्श के माध्यम से दोनों राज्यों के लिए स्वीकार्य समाधान की संभावनाओं पर भी लगातार काम किया जा रहा है।

महानदी विवाद नहीं, सहयोग की धारा बने

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों पड़ोसी राज्यों के लोगों के बीच आत्मीय संबंध सदियों पुराने हैं। दोनों प्रदेशों की जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली में अनेक समानताएं हैं। उन्होंने महाप्रभु जगन्नाथ की आस्था और शिवरीनारायण से पुरी तक जुड़े सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी आस्था और संस्कृति हमें जोड़ती है। महानदी भी इसी साझा विरासत और जीवन का हिस्सा है। इसलिए महानदी को विवाद की रेखा नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और विश्वास की धारा बनाना हमारा सामूहिक प्रयास होना चाहिए।

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती, सीएम साय बोले - सत्य, अहिंसा के आदर्श हमें राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और मानवता के मार्ग पर चलते हुए पूरी दुनिया को शांति और सद्भाव का संदेश दिया। उनके विचारों में समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण और आत्मनिर्भर भारत की भावना निहित थी। उनका जीवन हमें सत्य के मार्ग पर अडिग रहते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।



मुख्यमंत्री साय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सादगीपूर्ण जीवन, दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका दिया ‘जय जवान-जय किसान’ का मंत्र देश की सुरक्षा और समृद्धि में हमारे जवानों तथा

किसानों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन एवं आदर्श हमें जनकल्याण, सुशासन और राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

राज्यपाल रमेन डेका ने भी शुक्रवार को लोक भवन में

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर लोकभवन के अधिकारियों- कर्मचारियों ने भी इन महान विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित की।

एसआईआर : छूटे मतदाताओं को जोड़ने विशेष अभियान, 20 राज्यों को आयोग का निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। चुनाव आयोग ने उन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में छूटे हुए पात्र मतदाताओं और नए मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आयोग ने कहा है कि कोई भी पात्र नागरिक केवल एसआईआर के दौरान सूची में नाम शामिल नहीं होने के कारण मतदान के अधिकार से वंचित नहीं होना चाहिए। आयोग के निर्देश राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद दिए गए। चुनाव आयोग ने दोहराया कि मतदाता पंजीकरण एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। ऐसे में एसआईआर पूरा होने के बाद भी



पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़े जा सकते हैं।

विशेष अभियान के तहत बृथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मौजूदा मतदाता सूची की तुलना एसआईआर से पहले की सूची से करेंगे। इसका मकसद उन मतदाताओं की पहचान करना है, जिनके नाम पहले सूची में थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। पहचान किए गए लोगों के घर जाकर बीएलओ सत्यापन करेंगे।

अधिकारियों को हर सप्ताह करीब 20 से 25 मतदाताओं का सत्यापन करने का लक्ष्य दिया गया है। अभियान को करीब एक महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बीएलओ नात्र मतदाताओं और छूटे हुए वास्तविक मतदाताओं से मौके पर ही फॉर्म-6 भरवाएंगे। एसआईआर पूरी हो चुके राज्यों में नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 से जुड़ी अतिरिक्त एसआईआर घोषणा को हटाया जा चुका है। आयोग के मुताबिक, पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तैयार की गई सुविधां मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बृथ लेवल एजेंटों के साथ भी साझा की जाएंगी।

पीएम मोदी ने कैप्टन स्मित से की बात, पायलट ने कहा- भगवान हनुमान ने मुझे बचाया

नईदिल्ली। फ्लाईटुर्बई की एफजेड 1073 फ्लाइट में कॉकपिट के अंदर हुए हमले में घायल भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फोन पर बात की। बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित ने प्रधानमंत्री को उस खौफनाक घटना के बारे में बताया और यह भी साझा किया कि मुश्किल हालात में उन्हें हिम्मत कहां से मिली।

कैप्टन स्मित फिलहाल संयुक्त अरब अमीरात में इलाज करा रहे हैं। पीएम मोदी ने बातचीत में उनकी बहादुरी की सराहना की और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने कैप्टन स्मित के साहस को लेकर



सार्वजनिक रूप से उनकी तारीफ की थी।

मैं हनुमान चालीसा का जाप कर रहा था

पीएम मोदी से बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित ने बताया कि विमान में संकट के समय वह हनुमान चालीसा का जाप कर रहे थे। यह

बातचीत उस समय हुई जब वह हमले में लगी गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। पीएम मोदी ने गुरुवार को पायलट की पत्नी और माता-पिता से भी बात की थी और उन्हें भरोसा दिलाया था कि मछार और उनके परिवार को भारतीय मिशनों की ओर से पूरी मदद मिलेगी।



अब हर नज़र आपके Brand पर !

- Unipoles / Hoarding
- Mobile LED Vehicle
- Outdoor LED Screen
- Social media Advt.
- Digital LED Television
- News Paper advt.
- Train Wrap Branding
- Branding consultancy

www.harshmediaadvertisers.com info.harshmedia@gmail.com harsh_media_advertisers

8253029444 | 8435918888

संपादकीय

सुरक्षाबलों में असुरक्षा

भारत को दुनिया में गौरवान्वित किया स्मित ने

यह कल्पना करना भी कठिन होता है कि सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा के लिये जवाबदेह किसी हवाई जहाज का कोई को-पायलट अपने कैप्टन पर हमला करके जहाज को क्रेश कराने की साजिश करेगा। यहां तक कि पायलटों को ट्रेनिंग में भी इस तरह की अप्रत्याशित चुनौती पर चर्चा नहीं होती, क्योंकि यह विश्वास ही नहीं किया जा सकता कि कोई पायलट अपने पेशे से गद्दारी कर ऐसा कृत्य कर सकता है। कभी आसमान में जब ऐसा अप्रत्याशित घटे। फिर गंभीर रूप से घायल कैप्टन हमलावर साथी पायलट के घातक हमलों से जूझता हुआ, बेहद मुश्किल हालात में कॉकपिट खोल दे। फिर

“**फ्लाई दुबई के हवाई जहाज में कैप्टन स्मित मच्छार के ऐसे ही साहस से भयानक साजिश के चलते अचानक हजारों फीट नीचे गिरते जहाज को नियंत्रण में लाया जा सका। उनके साहस से हवाई जहाज में सवार 174 यात्रियों की जान बचायी जा सकी है। आज स्मित के साहस की दुनिया तारीफ़ कर रही है। हमेशा भारतीयों को लेकर असहज टिप्पणियां करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्मित के साहस की सार्वजनिक रूप से तारीफ़ की है। इसाइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हीरो की तारीफ़ करते हुए कहा है कि एक हिंदुस्तानी ने एक दूसरा 9/11 होने से बचा लिया है।**

त्रासदी टालने वाले साहसी यात्रियों में शामिल थे। इस हवाई जहाज के इसाइल में उतरने पर इसाइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पहुंचकर इस साहसी यात्री की पीठ ध्थथपायी।

बहरहाल, स्मित मच्छार द्वारा समय पर दिखाए गए अदम्य साहस ने एक बड़ी हवाई त्रासदी को टाल दिया। निश्चित रूप से आने वाले समय में जांच के बाद कई अहम सवालों के जवाब मिल पाएंगे। सवाल है कि आखिर विमान का को-पायलट जहाज को क्यों क्रेश कराना चाहता था? क्या इसके पीछे कोई आत्मघाती विचारधारा काम कर रही थी या ये कोई बड़ी आतंकी साजिश थी? क्या ये को-पायलट के कट्टरपंथ की ओर रुझान, या फिर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या की परिणति थी? वैसे साजिश में ईरान के शामिल होने के दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। समय की मांग है कि सऊदी अरब, यूएई और इसाइल आदि देशों के जांचकर्ताओं को असलियत का पता लगाना चाहिए। बहरहाल, इसाइल पर हमास के घातक हमले की तीसरी बरसी से कुछ दिन पहले हुई इस भयावह घटना ने दुनियाभर में हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवालों पर सबका ध्यान खींचा है। इस घटनाक्रम के कई अनुचित सवाल लोगों को परेशान कर रहे हैं कि को-पायलट को प्राणघातक हथियार कैसे मिला? क्या हवाई जहाज के उड़ान भरने से पहले कॉकपिट सुरक्षा के मौजूदा नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया था? घटनाक्रम के अलोक में एविएशन प्रोटोकॉल की पारदर्शी जांच भी जरूरी है। इस घटना का मानवीय पहलू यह है कि कैप्टन, यात्रियों व रूम मेंबर्स ने बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में विमान को आकाश में बनाये रखा। बेहद जटिल स्थिति में तत्काल समयानुकूल निर्णय लेने के लिये उनके हिम्मती कदम बेहद सम्मान व तारीफ के काबिल हैं। जिसके चलते स्मित मच्छार को आज इसाइल में एक बड़े हीरो की तरह देखा जा रहा है। मौत के मुंह से निकलकर आये यात्री सोशल मीडिया पर उनका गुणगान करते नहीं थक रहे हैं। इतना ही नहीं, एक भारतीय के अदम्य साहस के लिये इसाइल में भारत की भी धन्यवाद दिया जा रहा है। बहरहाल, व्यापक नजरिये से देखें तो इस घटनाक्रम के बाद एविएशन अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे भविष्य में ऐसे घटनाक्रम की पुनरावृत्ति रोकने के लिये कार-चौबंद सुरक्षा उपाय अपनाएं।

पुष्परंजन

पद संभालने के बाद मुहम्मद युनुस की अंतरिम सरकार ने शुरू में भारत को हिलसा का एक्सपोर्ट रोक दिया था। हालांकि, बाद में यह फैसला बदल दिया गया। हिलसा के कम-ज्यादा एक्सपोर्ट से ढाका-नई दिल्ली के बने-बिगड़ते कूटनीतिक संबंधों को हम नाप सकते हैं।

जिस शेख हसीना ने फिश डिप्लोमेसी की शुरुआत की थी, वो अब राजनीति के जल से बाहर हैं। हिलसा बांग्लादेश का राष्ट्रीय मछली है। स्थानीय लोग इसे इलिश कहते हैं। ख्वाद में बेछोड़ होने की वजह से इसे मछलियों की रानी भी माना जाता है। इलिश के बगैर 'ईईं पार बांग्ला या आईं पार बांग्ला' की जन्ता रह नहीं सकती।

बीते 26 सितंबर 2026 को दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमिशन में हिलसा फेस्टिवल आयोजित हुआ था, जिसमें कुछ वरिष्ठ राजनेता, राजनयिक, पत्रकार, शिक्षाविद् और सांस्कृतिक हस्तियां शामिल हुईं। उस हिलसा फेस्टिवल में तवे पर हिलसा फ्राई का मेहमानों ने लुप्त उड़ाया। चाणक्यपुरी स्थित दूतावास के मैत्री ऑडिटोरियम में आयोजित इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य फूड एवं कलिनरी डिप्लोमेसी के जरिए भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ करना था।

इस अवसर पर ढाका से प्रकाशित एक विशेष पुस्तक 'ए फिश कॉलड इलिश' का विमोचन भी भारतीय हस्तियों द्वारा किया गया। उत्सव में आए मेहमानों को हिलसा मछली से बने विभिन्न प्रकार के पारंपरिक बंगाली व्यंजन, जैसे सरसों हिलसा, फ्राइड हिलसा आदि, के साथ-साथ पारंपरिक बांग्लादेशी भोजन परोसा गया। बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रियाज हामिदुल्लाह ने इस अवसर पर कहा कि हिलसा सिर्फएक मछली नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश की पहचान, समाज और अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ी

भारत को वैश्विक पूंजी युद्ध के लिए तैयार रहना होगा

टीएन नीनन

अमेरिका में बढ़ता कर्ज, घटती विदेशी मांग और पूंजी के संभावित नियंत्रण से बदल रहा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य; भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करना जरूरी

वैश्वीकरण से पीछे हटती दुनिया में सीमाओं के पार लोगों की आवाजाही पर पहले ही कई तरह के प्रतिबंध बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर वापसी और नीतिगत दबाव के औजार के रूप में शुल्क (टैरिफ) के इस्तेमाल के बाद वैश्विक स्तर पर वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को भी झटका लगना तय है। इसके बाद अगला कदम अमीर देशों की ओर से पूंजी की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही पर प्रतिबंधों के रूप में सामने आ सकता है। विकासशील देशों में पूंजी नियंत्रण लंबे समय से सामान्य बात रही है।

इस तरह के बड़े बदलाव की प्राथमिक वजह अमेरिका में दिखाई दे रही है, जहां कंपनियों की बढ़ती कर्ज जरूरत और अमेरिका के बजट घाटे के बीच टकराव बढ़ रहा है। तकनीक और कृत्रिम मेधा (एआई) की दौड़ में आगे चल रही बड़ी कंपनियां कुछ समय पहले तक अपने पूंजीगत खर्च की जरूरतें अपनी कमाई से पूरी कर रही थीं। अब ऐसा नहीं है। निवेश योजनाओं में भारी विस्तार के कारण ये कंपनियां बाजार से बड़ी मात्रा में कर्ज उठा रही हैं। अमेरिका में कॉर्पोरेट बॉन्ड जारी किए जाने की मात्रा दो वर्षों में 80 प्रतिशत बढ़ गई है। दूसरी ओर, संघीय बजट घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7 प्रतिशत तक पहुंच गया है और इसके जल्द नियंत्रित होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। अमेरिका की घरेलू वचत इन बढ़ती पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। यही वजह है कि अमेरिका दशकों से दुनिया का सबसे बड़ा कर्ज लेने वाला देश बना हुआ है। लेकिन विदेशों से पूंजी की उसकी बढ़ती जरूरत ऐसे समय में सामने आ रही है, जब लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिकी प्रतिभूतियों से ढूँढला रही हैं।

चीन ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिकी प्रतिभूतियों में अपनी हिस्सेदारी आधी कर दी है, जबकि अब अमेरिकी प्रतिभूतियों का सबसे बड़ा धारक जापान भी इससे दूरी बनाना शुरू कर चुका है। बाजार में कारोबार योग्य अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 2015 में 50 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 30 प्रतिशत रह गई है। केंद्रीय बैंक जहां अपने डॉलर भंडार में कटौती कर रहे हैं, वहीं उन्होंने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ाई है। पिछले साल सोने ने अमेरिकी सरकारी बॉन्ड को पीछे छोड़ते हुए केंद्रीय बैंकों की रिजर्व परिसंपत्तियों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर



ली। एक साल में सोने की कीमत 25 प्रतिशत बढ़ चुकी है और भारतीय अब भी सोने के बड़े खरीदारों में शामिल हैं।

अमेरिकी डॉलर में बढ़ते कर्ज और इस कर्ज को लेकर घटती वैश्विक मांग के बीच इसका स्वाभाविक असर ब्याज दरों पर पड़ा है। अमेरिकी ट्रेजरी की ब्याज दरें अब दो दशकों के उच्चतम स्तर पर हैं और लगातार बढ़ रही हैं। इसके बावजूद नए अमेरिकी कर्ज की नीलामी में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की हिस्सेदारी पहले के मुकाबले कम हो गई है। पांच साल की ट्रेजरी प्रतिभूतियों पर ब्याज दर महज एक महीने में 0.64 प्रतिशत बढ़ गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट पिछले कुछ सप्ताह से बाजार को शांत करने के लिए कई प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनका कोई खास असर नहीं हुआ है।

अगर ऊंची ब्याज दरों के बावजूद अमेरिका को दूसरे देशों से अपनी जरूरत के मुताबिक पूंजी नहीं मिलती है तो वह डॉलर की आपूर्ति बढ़ा सकता है। इससे बाजार में अधिक पैसा आने के कारण महंगाई बढ़ सकती है और वास्तविक यानी महंगाई-समायोजित अर्थों में उसके कर्ज का बोझ कम हो सकता है। भारत दशकों से ऐसा करता रहा है। वास्तव में, पश्चिमी देशों का कर्ज बढ़ने के साथ पिछले पांच वर्षों में अमेरिका में महंगाई पिछले दशक की तुलना में दोगुने से अधिक, यूरोप में तीन गुना और जापान में पांच गुना अधिक रही है। इसे कर्ज के बोझ को नियंत्रित करने के लिए छेड़ें गए महंगाई युद्ध के रूप में देखा जा सकता है।

एक और संभावना है—हालांकि अभी यह दूर की बात लगती है, लेकिन पूरी तरह असंभव नहीं है—कि अमेरिका व्यापार की तरह पूंजी के मामले में भी दबाव की नीति अपना सकता है। ट्रंप पहले ही कुछ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में निवेश प्रतिबद्धताओं को शामिल कर चुके हैं। आज वह पूंजी के प्रवाह को अमेरिका में आने के लिए मजबूर कर रहे हैं, कल पूंजी के बाहर

जाने पर भी अंकुश लगाया जा सकता है।

इस आशंका को देखते हुए कुछ देशों ने रक्षात्मक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। नीदरलैंड ने पिछले कुछ महीनों में न्यूयॉर्क से 78 टन सोना लंदन स्थानांतरित किया है। इसके पीछे संभावित 'भूराजनीतिक अस्थिरता' को कारण बताया गया। इससे कुछ समय पहले फ्रांस ने भी अमेरिका में रखा अपना पूरा सोना वापस निकाल लिया था। जर्मनी में भी ऐसा ही करने की मांग उठ रही है। कुछ समय पहले तक जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी, अब अमेरिकी पूंजी बाजार के लगातार खुले रहने को लेकर भरोसे में मामूली ही सही, लेकिन कमी आने लगी है।

इसी बीच यूरोप के विशेषज्ञों ने यूरोपीय पूंजी के अमेरिका जाने को हतोत्साहित करने की वकालत की है, क्योंकि यूरोप को अपने भीतर निवेश करने की जरूरत है। यूरोप की ओर से ऐसा कोई भी कदम उठाए जाने पर वाशिंगटन की ओर से जवाबी कार्रवाई की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। 'फाइनेंशियल टाइम्स' में सितंबर की शुरुआत में प्रकाशित एक शीर्षक—'पूंजी युद्ध आ रहे हैं'—इस बदलते माहौल को रेखांकित करता है। इन घटनाक्रमों से भारत को गंभीर चिंता होनी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों से पोर्टफोलियो पूंजी भारत से बाहर जा रही है और रुपये के मूल्य में 13 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप के बावजूद हुई है। इस बीच बढ़ती ऊर्जा कीमतों ने व्यापार संतुलन पर भी दबाव डाला है। प्रमुख शेयर बाजार सूचकांक भी उस स्तर पर लौट आए हैं, जहां वे करीब ढाई साल पहले थे। पिछली बार शेयर बाजार ने इतने लंबे समय तक निवेशकों को निराश 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद किया था।

इन परिस्थितियों में आरबीआई की सबसे बड़ी पहल अनिवारसी भारतीयों (एनआरआई) को आकर्षक व्याज दर और मुद्रा सुरक्षा के साथ जमा

ब्रिक्स देशों को नए अमेरिकी टैरिफ कानून की चुनौती

रूस के साथ गंभीर भू-राजनीतिक मतभेद होने के कारण, अमेरिका अपने और अपने सहयोगियों के लिए रूसी और ईरानी तेल का बहिष्कार करने वाले ऐसे कानून बना सकता है, लेकिन अमेरिका को अन्य संप्रभु देशों को उन देशों से अमेरिका को निर्यातों पर भारी टैरिफ लगानेकर इस मुहिम में शामिल होने के लिए मजबूर करने का कोई हक नहीं। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नियमों के उलट है। वे अपनी आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे अच्छे और किफायती स्रोतों से ऊर्जा पदार्थ आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं।

भारत के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के अनुसार, अप्रैल और अगस्त 2026 के बीच कच्चे तेल का आयात 100,669 हजार मीट्रिक टन और एलपीजी का आयात 4,992 हजार मीट्रिक टन था। ट्रेडेंट के इम्पोर्ट डेटा और 'बिल ऑफ लैंडिंग' डेटाबेस से पता चलता है कि 2026 की शुरुआत में भारत ने अपने कच्चे तेल के कुल आयात में से इराक से 19.89 प्रतिशत, रूस से 17.92 प्रतिशत, सऊदी अरब से 16.03 प्रतिशत, यूईई से 11 प्रतिशत, न्यूजीलैंड से 6.95 प्रतिशत, ब्राजील से 5.04 प्रतिशत, अंगोला से 4.49 प्रतिशत, नाइजीरिया से 3.93 प्रतिशत, यूएसए से 3.51 प्रतिशत और कुवैत से 2.93 प्रतिशत कच्चा तेल खरीदा। हालांकि, अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान इराक से होने वाली शिपमेंट में बड़ी रुकावटों के कारण अगस्त 2026 तक रूस से कुल इम्पोर्ट बढ़कर लगभग 45 प्रतिशत हो गया था। रूस

की जगह अमेरिका खुद को तेल व गैस के वैकल्पिक

स्रोत के तौर पर पेश करता है। लेकिन भारत के लिए, अमेरिका से आने वाला कच्चा तेल न केवल रूस से आने वाले तेल से महंगा है, बल्कि भाड़े की लागत भी रूसी टैंकर रूट की तुलना में ज्यादा है। वहीं भारतीय रिफाइनरियां रूसी और मध्य-पूर्वी कच्चे तेल के लिए बनी हैं; अलग क्वालिटी वाला अमेरिकी तेल प्रोसेस करना चुनौती है। भारत सस्ते रूसी इम्पोर्ट छोड़ अमेरिकी महंगा तेल क्यों खरीदे? भारत अपने राष्ट्रीय हित में व्यापार के लिए वैश्विक ताकतों के बीच संतुलन बनाने के लिए 'रणनीतिक स्वायत्तता' की बात करता है, जबकि अमेरिका उसे अपनी नीतियों और भू-राजनीतिक योजनाओं के अनुसार चलने को मजबूर करता है। यह एक तरफ भारत व चीन के खिलाफ 'व्यापार को हथियार बनाने' और दूसरी तरफ रूस और ईरान के खिलाफ व्यापार युद्ध की राजनीति है।

इस कानून का दिलचस्प पहलू है कि इसमें उन देशों को छूट दी गई है जो रूस के कुल वैश्विक ऊर्जा निर्यात का 15 प्रतिशत से कम खरीदते हैं। इन देशों में जापान, फ्रांस, बेल्जियम और अन्य यूरोपीय देश शामिल हैं, जो रूस-यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका की नीति का समर्थन करते हैं। रूसी तेल आयात का आकलन करने का तरीका भी एक राजनीतिक पहलू है : किसी देश के कुल ऊर्जा आयात में रूसी ऊर्जा की हिस्सेदारी के प्रतिशत को देखने के बजाय रूस के कुल वैश्विक ऊर्जा निर्यात में उस देश का रूस से

योजना की पेशकश करना रही। हालांकि, संभव है कि केंद्रीय बैंक ने इस मामले में कुछ ज्यादा ही उदार रुख अपनाया हो। योजना से अनुमान से दोगुनी राशि—130 अरब डॉलर से अधिक—जमा हुई। एनआरआई जाहिर तौर पर ऐसे 'मुफ्त के फायदे' को पहचानना जानते हैं। इस योजना की आरबीआई पर लागत मुद्रा विनिमय दर में होने वाले बदलाव पर निर्भर करेगी और पूरी योजना की अवधि में यह 10 से 20 अरब डॉलर के बीच हो सकती है।

इस योजना के आलोचकों ने मुख्य रूप से दो तर्क दिए हैं। पहला, भारत की विदेशी मुद्रा भंडार स्थिति आरामदायक है, जबकि अमेरिकी बाजार में एनआरआई को आकर्षक जमा योजनाओं की पेशकश तब की गई थी जब विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी। उस समय मिलेनियम बॉन्ड और रीसर्जेंट इंडिया बॉन्ड जैसी योजनाएं लाई गई थीं। दूसरा तर्क यह है कि इस बार पेश किए गए नियम जरूरत से ज्यादा उदार थे। इनमें दूसरा तर्क अधिक ठोस नजर आता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार में अनिश्चितता और तनाव को देखते हुए किसी तरह के एहतियाती कदम की जरूरत थी। फरवरी के अंत से अगस्त के अंत तक के छह महीनों में, जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया था, आरबीआई का विदेशी मुद्रा भंडार 50 अरब डॉलर से कुछ अधिक बढ़ा। इस अवधि में एफसीएनएन(बी)—फॉरन करेंसी नॉन-रेंजिडेंट (बैंक)—जमा के रूप में करीब 130 अरब डॉलर आए। न तो चालू खाते का घाटा और न ही शुद्ध पूंजी प्रवाह इस अंतर की पूरी तरह व्याख्या कर सकता है। जाहिर है कि आरबीआई ने पूंजी के देश से बाहर जाने के कारण रुपये को संभालने में बड़ी मात्रा में डॉलर खर्च किए हैं। ऐसे में अतिरिक्त डॉलर हासिल करना किसी नुकसान का सौदा नहीं है।

अब दो संभावनाएं बनती हैं। यदि एआई में निवेश का बुलबुला फूटता है तो वैश्विक स्तर पर भारी उथल-पुथल हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी शेयर बाजार का हिस्सा वैश्विक बाजार पूंजीकरण में दो-तिहाई से अधिक है। दूसरी ओर, यदि ऐसा नहीं होता और सरकारों तथा कंपनियों की कर्ज लेने की होड़ जारी रहती है तो पूंजी के लिए अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। इससे महंगाई बढ़ सकती है और/या देशों के बीच पूंजी के प्रवाह पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

इसलिए भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करना, बजट घाटे और सरकारी कर्ज को कम करके आर्थिक सुरक्षा बढ़ाना तथा देश को निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाना महत्वपूर्ण है। अतिरिक्त विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल रुपये में अस्थिरता से निपटने और जरूरत पड़ने पर पूंजी के बाहर जाने की स्थिति में किया जा सकता है। इससे उस समय अर्थव्यवस्था की बाहरी भुगतान क्षमता को लेकर भरोसा भी बढ़ेगा, जब यह स्पष्ट नहीं है कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां किस दिशा में जाएंगी।

प्रोफेसर सुखदेव सिंग

रूसी तेल आयात पर अमेरिकी टैरिफ ब्रिक्स देशों के लिए आर्थिक व कूटनीतिक चुनौती है। लिंडसे ओ. ग्राहम कानून रूस व ईरान से ऊर्जा आयात पर भारी टैरिफ का हक देता है। रूसी तेल का भारत बड़ा आयातक है, ये टैरिफ हमारी ऊर्जा सुरक्षा में बाधक है। वहीं ब्रिक्स की वैकल्पिक व्यवस्था पर दबाव बनाने की कोशिश है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से पारित 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंकशनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026' पर हस्ताक्षर करने के बाद अब यह अमेरिकी कानून बन गया है। इससे राष्ट्रपति के लिए एजीक्यूटिव ऑर्डर पर निर्भर रहने से जुड़ी कानूनी जटिलताएं खत्म हो गईं। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को न केवल रूस व ईरान पर प्रतिबंध लगाने का हक देता है, बल्कि रूस के कुल वैश्विक तेल निर्यात का 15 प्रतिशत से अधिक आयात करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का भी अधिकार देता है।

रूसी तेल और गैस के शीर्ष खरीदारों में भारत और चीन शामिल हैं, तो यह कानून इनके लिए चेतावनी है। रूस की विश्व स्तर पर बिक्री से भारत 37 प्रतिशत और चीन 50 फीसदी तक आयात करता है, जो उनकी आबादी की जरूरतों के लिए आवश्यक हैं। बिल पारित होने के बाद भारत, चीन और रूस की कड़ी आपत्तियों और भारत द्वारा द्विपक्षीय संबंधों तथा अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों की चेतावनी के बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बिना किसी हिचकिचाहट हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया।

हुई है। यह आयोजन ऐसे समय में किया गया, जब दोनों देशों के बीच हिलसा के व्यापारिक समीकरणों को लेकर कई कूटनीतिक चर्चाएं चल रही हैं।

वर्ष 1991 के बाद से बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों में उतार-चढ़ाव इन दोनों देशों के राजनेताओं के सता में आने-जाने के साथ बदलते रहे हैं। शायद किसी को याद हो कि 19 मार्च 1998 को बीजेपी के दोबारा सता में आने के बाद बांग्लादेश के तत्कालीन विदेश मंत्री आनन-फनन में नई दिल्ली पहुंचे थे। यह भूलकर कि पार्टी महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि देश का स्थायी हित महत्वपूर्ण है। उन दिनों शेख हसीना सता में थीं। 16 मई से 1 जून 1996 तक अटल बिहारी वाजपेयी की 16 दिनों की पहली टर्म वाली सरकार को उन्होंने हल्के में लिया था।

भारत में कई लोग ऐसा मानते हैं कि 1971 में भारत ने जो कुर्बानी दी थी, बांग्लादेश ने उसके लिए पर्याप्त आभार नहीं जताया। शायद ही कोई इस बात से इनकार करेगा कि भारत में चार पार्टियों वाली समावेशी सरकार के समय दोनों देशों के रिश्ते बहुत निचले स्तर पर थे। उस दौरान विदेश मंत्री स्तर की किसी द्विपक्षीय यात्रा की बात तो दूर, सरकार प्रमुख की यात्रा तक नहीं हुई थी।

केंद्र में सत्ता मजबूत होती है, तो रिश्ते भी बदलते हैं। शेख हसीना, 'जैसी बही बयाार, पीठ तब तैसी कीजिए', वाली राजनेता रही हैं। दक्षिण एशिया में 'हिलसा डिप्लोमेसी' की शुरुआत 1996 में सद्भावना और सहयोग के इरादे से हुई थी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 1996 की ऐतिहासिक गंगा जल बंटवारा संधि से ठीक पहले, सद्भावना के एक सोचे-समझे कदम के तौर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु को हिलसा



मछली की एक खेप भेजी थी।

12 दिसंबर 1996 को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके भारतीय समकक्ष एच. डी. देवेगौड़ा के बीच हुई 30 साल की इस संधि ने जनवरी-मई के सूखे मौसम के दौरान गंगा के पानी के बंटवारे का एक ढांचा तैयार किया था। इस दौरान नदी का बहाव काफी कम हो जाता है। भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल संधि 11 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। वर्ष 1996 के बाद उभयपक्षीय परिस्थितियां काफी बदली हैं। आबादी बढ़ी है, पानी की जरूरत बढ़ी है और नदी तथा मौसम से जुड़ी परिस्थितियों को लेकर भी नई चुनौतियां सामने आई हैं। नई संधि होती है, तो भारत और बांग्लादेश की जरूरतों के साथ-साथ भारत के अंदर अलग-अलग

राज्यों की पानी से जुड़ी जरूरतों को भी ध्यान में रखना होगा।

गंगा नदी बांग्लादेश के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश का लगभग 37 प्रतिशत भू-भाग, जो चार डिवीजनों के 26 जिलों और 163 उप-जिलों में फैला है, इस नदी पर निर्भर है, जिसे बांग्लादेश में 'पद्मा' के नाम से जाना जाता है। अब आने वाले दशकों के लिए ढाका और नई दिल्ली को एक नई व्यवस्था तैयार करनी होगी।

तीस्ता जल बंटवारे में हुई उदा-पटक की कहानी अलग है। तीस्ता नदी के लिए पानी के बंटवारे की एक अलग व्यवस्था को 2011 में बांग्लादेश और भारत ने अंतिम रूप दिया था, लेकिन पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के बाद उस पर कभी हस्ताक्षर नहीं

आयात प्रतिशत बढ़ा जाता है। यूरोप सामूहिक रूप से रूस के वैश्विक गैस निर्यात का लगभग आधा हिस्सा लेकर रूसी गैस का सबसे बड़ा वैश्विक खरीदार है। सवाल है कि अगर इस कानून का मकसद रूस के 'युद्ध कोष' को निर्यातित करना है, तो फिर 15 प्रतिशत की सीमा की शर्त क्यों?

यूरोपीय देश काफी हद तक अमेरिकी नीति के साथ चलते हैं। नतीजन, उन देशों को अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों के अनुसार और सरकार के मुकाबले अमेरिकी तेल पर कम भाड़ा लागत होने से रूसी तेल की जगह अमेरिकी तेल खरीदने में ज्यादा परेशानी नहीं है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मसूद पेजेशिकयन की पूर्ण सदस्य के रूप में उपस्थिति, ब्रिक्स घोषणापत्र में एकतरफा दबाव वाले उपायों की निंदा, बहुपक्षवाद व बहु-ध्क्रीयता के प्रति प्रतिक्रिया, सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार, भुगतान और मैसैजिंग चैनलों के लिए सीमा-पार इंटरऑपरेबिलिटी, और ब्रिक्स की स्थानीय मुद्राओं का उपयोग जैसे कारकों ने बिल को कानून का रूप देने की प्रक्रिया तेज की।

यह कानून उन वैकल्पिक आर्थिक नेटवर्क पर सीधे हमला करने के हथियार के रूप में लाया गया है, जिन्हें मजबूत करने के लिए ब्रिक्स सदस्य प्रयास कर रहे हैं। एक राजनीतिक और व्यापारिक गठबंधन होने के नाते, ब्रिक्स आपसी व्यापार के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करने का विकल्प ढूंढता है; इसके विपरीत, यूरोपीय संघ एक सैन्य गठबंधन है।

पानी के लिए बांग्लादेश की ‘हिलसा’ कूटनीति

हो सके। पद संभालने के बाद मुहम्मद युनुस की अंतरिम सरकार ने शुरू में भारत को हिलसा का एक्सपोर्ट रोक दिया था। हालांकि, बाद में यह फैसला बदल दिया गया और 21 सितंबर 2024 को वाणिज्य मंत्रालय ने भारत को 3,000 टन हिलसा एक्सपोर्ट करने की मंजूरी दे दी। 2025 में 2,420 टन हिलसा भारत निर्यात करने की मंजूरी दी गई थी। 2026 में इसे आधा घटाकर 1,200 टन कर दिया गया है। हिलसा के कम-ज्यादा एक्सपोर्ट से ढाका-नई दिल्ली के बने-बिगड़ते कूटनीतिक संबंधों को हम नाप सकते हैं।

नई सरकार के गठन के बाद भी बांग्लादेश चैन से नहीं है। ऐन दुर्गा पूजा के समय भारत निर्यात होने वाली हिलसा मछली मुद्दा बनती है। हालांकि, बंगाली आबादी हिलसा को अपनी खान-पान की संस्कृति का अहम हिस्सा मानती है, लेकिन बांग्लादेश में इसे लेकर चिंताएं भी हैं। हर साल दुर्गा पूजा से पहले स्थानीय बाजार में हिलसा की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे मध्यम और निचले वर्ग पर और ज्यादा बोझ पड़ता है। कई कर्मिन लोगों के लिए हिलसा मछली का एक्सपोर्ट अभिशाप भी बन गया है। ममता बनर्जी ने चुनाव के दिनों में कहा था कि बीजेपी सरकार आई तो मछली-मांस की मुश्किलें बढ़ेंगी। अब लोग कहने लगे, 'बांग्लादेश ने फेस्टिव सीजन में धोखा दिया है।' हिलसा का स्वाद बंगाल में बीजेपी की सरकार के रहते सर्वसुलभ न हो, तो यह राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। रणनीतिकार हिलसा को कूटनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने से बाजु नहीं आ रहे। हाई कमिशन द्वारा हिलसा फेस्टिवल के कूटनीतिक मायने नई 'दिल्ली समझे।' 'आप हमें पानी दो—हम आपको हिलसा देंगे।

लेखक जियोपॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

नई नवेली : ‘भाभी डायन है?’

यामी गौतम की आने वाली फिल्म का ट्रेलर रिलीज कॉमेडी-रहस्य और एक्शन से भरी दिखी कहानी

यामी गौतम की आने वाली फिल्म ‘नई नवेली’ का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। जानिए कैसा है ट्रेलर और कब रिलीज होगी फिल्म। मेकर्स ने अभिनेत्री यामी गौतम की आगामी फिल्म ‘नई नवेली’ का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। जानिए कैसा है फिल्म का ट्रेलर।

फिल्म में यामी गौतम धर एक बिल्कुल अलग और अनदेखे अंदाज में नजर आने वाली हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक शादी से होती है। परिवार वालों को लगता है कि उनके घर में एक साधारण बहू आई है। लेकिन आगे चलकर धीरे-धीरे नए-नए रहस्य सामने आने लगते हैं। परिवार के एक सदस्य को लगता है कि भाभी डायन हैं, लेकिन शुरुआत में कोई नहीं मानता। धीरे-धीरे बहू का असली रूप देखने को मिलता है। हालांकि ट्रेलर से फिल्म की कहानी पूरी तरह समझ नहीं आती है, क्योंकि ट्रेलर के आखिरी में रावण का भी जिक्र होता है और एक्शन सीन्स भी नजर आते हैं।

वया डायन है भाभी?

‘नई नवेली’ में यामी गौतम मोहिनी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म की कहानी मेरठ की पुष्टभूमि पर आधारित है। ट्रेलर की शुरुआत एक आम भारतीय परिवार और उसकी नई बहू से होती है। शादी की रस्में, परिवार के सदस्यों की नोक-झोंक और अलग-अलग तरह के किरदार कहानी को मजेदार बनाते हैं। लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, परिवार के बीच छिपे कई राज सामने आने लगते हैं।

फिल्म में ‘भाभी डायन है’ वाला रहस्य भी कहानी का अहम हिस्सा है। हालांकि,

ट्रेलर को देखकर साफहै कि मामला सिर्फ एक डायन तक सीमित नहीं है। कहानी धीरे-धीरे एक ऐसी दुनिया में पहुंचती है, जहां कॉमेडी, रहस्य, फैटेसी और एक्शन का जबरदस्त मेल देखने को मिलेगा।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है। इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म का संगीत जी.वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। ‘नई नवेली’ 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



रिलीज हुआ रजनीकांत की फिल्म का तीसरा गाना, नोरा फतेही के डांस में दिखा दम

फिल्म ‘जेलर 2’ के एल्बम से मेकर्स ने एक और नया गाना रिलीज किया है। इस गाने ‘बिंदास’ में नोरा फतेही काफी खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। इस डांस नंबर को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं।

रजनीकांत की फिल्म ‘जेलर 2’ का तीसरा गाना ‘बिंदास’ में मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। साथ ही इस बहुप्रतिक्षित फिल्म में नोरा फतेही काफी खास अंदाज में दिखाई दे रही हैं।

वया खास है नोरा फतेही के गाने में?

बिंदास फिल्म ‘जेलर 2’ का यह तीसरा गाना है। इस गाने में नोरा फतेही काफी बोलड अवतार में दिखाई दे रही हैं।

बिंदास गाने को अनिरुद्ध रविचंद्र और दीप्ति सुरेश ने गाया है। फिल्म ‘जेलर 2’ के 12 गानों के एल्बम से यह तीसरा गाना रिलीज हुआ है।

बीते दिनों रिलीज हुए पहले दो गाने

कुछ दिनों पहले फिल्म ‘जेलर 2’ का एक हाई-एनर्जी गाने ‘अला बोलेलो’ के बाद अब फिल्म का दूसरा गाना ‘वन सन, वन मून’ का लिрикल वीडियो यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है। जहां ‘वन सन, वन मून’ में रजनीकांत की विरासत और उनके स्टारडम को दिखाया गया है। इस लिрикल वीडियो में ‘जेलर’ के सीक्रल से रजनीकांत की कुछ नई झलकियां भी देखने को मिली थीं।

कब रिलीज होगी फिल्म ‘जेलर 2’?

‘जेलर 2’ का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार ने किया है। इसे सन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में रजनीकांत के अलावा शिवराज कुमार, विद्या बालन,



बिना शादी मां बनना चाहती है क्रिस्टल डिसूजा? एक्स फ्रीजिंग कराने की इच्छा जताई.....



टेलीविजन जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री और रियलिटी शो स्टार क्रिस्टल डिसूजा ने भविष्य में मां बनने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की है। 36 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा है कि वह अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है और यह स्पष्ट किया कि उनकी पहली इच्छा स्वाभाविक रूप से मां बनने की है। यदि ऐसा संभव नहीं हो पाता है तो अंडाणु सुरक्षित रखना भविष्य के लिए एक विकल्प हो सकता है।

क्रिस्टल ने मातृत्व को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यदि कोई महिला भविष्य में अपने बच्चे चाहती है या किसी कारण से मातृत्व में देरी करना चाहती है तो अंडाणु सुरक्षित रखना एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह खुद भी इस प्रक्रिया के बारे में सोच रही हैं। अभिनेत्री ने यह नहीं कहा कि वह बिना शादी के मां बनने की योजना बना रही हैं। उन्होंने केवल भविष्य में मां बनने की अपनी इच्छा और इसके लिए उपलब्ध विकल्पों के बारे में बात की। उनका कहना है कि वह चाहती हैं कि उनके बच्चे स्वाभाविक रूप से हों, लेकिन परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहने पर अंडाणु सुरक्षित रखने का विकल्प मौजूद रहेगा।

क्रिस्टल ने बच्चों को गोद लेने के विकल्प पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अपने जैविक बच्चे नहीं चाहिए तो गोद लेना भी परिवार बनाने का अच्छा माध्यम है। दुनिया में ऐसे कई बच्चे हैं जिन्हें परिवार और बेहतर जीवन देने के लिए गोद लिया जा सकता है। अंडाणु सुरक्षित रखने के बढ़ते चलन पर उन्होंने कहा कि आजकल महिलाएं अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस विकल्प पर विचार कर रही हैं। यदि कोई महिला आगे चलकर अपने बच्चे चाहती है, लेकिन फिलहाल इसके लिए तैयार नहीं है, तो अंडाणुओं को सुरक्षित रखना एक विकल्प हो सकता है। क्रिस्टल ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि वह एक दिन खुद के बच्चे चाहती हैं और उम्मीद करती हैं कि वह स्वाभाविक रूप से मां बनेंगी। हालांकि, यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो अंडाणु सुरक्षित रखने की तकनीक उनके लिए एक विकल्प रहेगी। टेलीविजन जगत में इससे पहले भी कई चर्चित अभिनेत्रियों और हस्तियों द्वारा अंडाणु सुरक्षित रखने के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की जा चुकी है। बढ़ती उम्र के साथ मातृत्व की योजना बनाने वाली महिलाओं के बीच यह प्रक्रिया चर्चा का विषय बनी हुई है।

सेब बनाम नाशपाती: इनमें से कौन सा फल है अधिक हाइड्रेटिंग? जानिए..

सेब और नाशपाती दोनों ही ऐसे फल हैं जो बहुत सारे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन अवसर लोग यह सोचते हैं कि इनमें से किसका सेवन शरीर को अधिक पानी पहुंचाने में मददगार होता है, खासकर गर्मियों में जब शरीर को अधिक पानी की जरूरत होती है। इस लेख में हम इन दोनों फलों की विशेषताओं की तुलना करेंगे ताकि आप सही चयन कर सकें और अपने शरीर को भरपूर पानी दे सकें।

सेब की विशेषताएं

सेब में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे गर्मियों के लिए एक अच्छा फल बनाता है। एक मध्यम आकार का सेब लगभग 85 प्रतिशत पानी से भरा होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन-सी, फाइबर और ऐसे तत्व होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। सेब का सेवन करने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है और यह वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। नाशपाती भी पानी से भरपूर फल है, जिसमें लगभग 84 प्रतिशत पानी होता है।

इसके अलावा इसमें विटामिन-सी, विटामिन-के और पोटेशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। नाशपाती का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर को साफ रखने में मदद मिलती है। इसके फाइबर युक्त गुण पाचन को स्वस्थ रखते हैं और कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं।



सेब और नाशपाती में अंतर

सेब और नाशपाती दोनों में पानी की मात्रा लगभग समान होती है, लेकिन सेब में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसलिए यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में अधिक प्रभावी हो सकता है, वहीं नाशपाती में विटामिन-सी और पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं।

दोनों ही फल स्वादिष्ट होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं, इसलिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

किसका चयन करना चाहिए?

अब सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसका चयन करना चाहिए? अगर आप अधिक हाइड्रेशन चाहें तो दोनों ही फल अच्छे विकल्प हैं, लेकिन आपकी पाचन संबंधी समस्याएं हैं तो सेब का चयन करें क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन को सुधारी है, वहीं अगर आप रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना चाहते हैं तो नाशपाती बेहतर विकल्प होगा क्योंकि इसमें विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है।

‘तू है मेरी किरण’ में पति जहीर संग रोमांस करती नजर आएंगी सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द ‘तू है मेरी किरण’ फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है।

वया खास है फिल्म के फर्स्ट लुक में?

काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब कपल बहुत जल्द फिल्म ‘तू है मेरी किरण’ में साथ अभिनय करना दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म ‘तू है मेरी किरण’ 23 अक्टूबर 2026 को रिलीज होने वाली है। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण रावल ने किया है। ‘तू है मेरी किरण’ में जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण सर्वेश गोयल, अश्वनी कुमार, मनोज दराक और नृपाल पटेल ने मिलकर किया है।

पहले भी कर चुके हैं कपल साथ काम

यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। फिल्म का निर्देशन सतराम रमानी ने किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी।

सोनाक्षी और जहीर की शादी

सोनाक्षी और जहीर पहली बार सलमान खान की एक पार्टी में मिले थे। दोनों ने लगभग 7 साल तक एक-दूसरे को डेट किया और अपने रिश्ते को मीडिया से छुपा कर रखा। साल 2022 में दोनों ने फिल्म ‘डबल XL’ में एक साथ काम भी किया था। आखिरकार, जून 2024 में दोनों ने मुंबई में सोनाक्षी के घर पर ‘स्पेशल मैरिज एक्ट’ के तहत कोर्ट मैरिज कर ली थी।



शरीर में हो रही है खुजली तो नीम के तेल के साथ लगाए यह चीज

आजकल कई लोग खुजली से परेशान रहते हैं। जी हाँ, खुजली होने की समस्या ऐसी है कि किसी के सामने अगर एक बार व्यक्ति शरीर खुजाने लगे तो उसे शर्म से लाल होना पड़ता है। जी हाँ, लेकिन इस शर्मिंदगी से बचने के लिए लोग खुजाए बिना दर्द सहने पर भी मजबूर हो जाते हैं। आपको बता दें कि खुजली छोटे जीवाणुओं के कारण हो सकती है जो शरीर पर खुजली के साथ-साथ जलन और फुंसी जैसे रैशज की भी वजह बनते हैं। इसके अलावा कई बार खुजली फैलने वाली भी होती है जिसके चलते घर में किसी एक को हुई खुजली सब में फैल जाती है। जी दरअसल ज्यादातर उंगलियों, गर्दन, कलाई, पैरों और कमर के निचले हिस्से से खुजली

शुरू होती है, इस वजह से इसे रोकने के लिए कुछ घरेलू उपायों को आजमा लेना चाहिए। आइए बताते हैं उन घरेलू उपायों के बारे में।

नीम:- नीम को खुजली पर बेहद असरदार माना जाता है। जी हाँ और आप शरीर पर नीम की पत्तियों को पीस कर भी लगा सकते हैं या इसके तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। जी दरअसल नीम के एंटी बैक्टीरियल गुण खुजली को कम करते हैं।

हल्दी:- हल्दी को नीम के तेल में मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इस पेस्ट को खुजली वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा:- खुजली वाली जगह पर एलोवेरा लगाने पर राहत महसूस होती है। जी दरअसल यह खुजली को फैलने से रोकता है। एलोवेरा को स्किन पर लगभग आधा घंटा लगाए रखने के बाद धो लें।

लौंग का तेल:- लौंग खुजली के दानों को कम करने में मदद करते हैं। हालांकि इसको लगाते समय सावधानी बरतनी चाहिए।
नारियल का तेल:- शरीर पर नारियल का तेल लगाने पर खुजली में आराम मिलता है। जी हाँ और इसी के साथ ही नारियल का तेल लगाने पर आपको भी महसूस होगी।



खास-खबर

छत्तीसगढ़ के लगभग 10 हजार युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

रायपुर। रोजगार की तलाश कर रहे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए बड़ा अवसर सामने आया है। छत्तीसगढ़ सरकार आगामी 7-8 अक्टूबर को रायपुर में दो दिवसीय राज्यस्तरीय रोजगार मेला आयोजित कर रही है। इस रोजगार मेले में करीब 10 हजार युवाओं को नौकरियां मिलने की उम्मीद है। अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताओं और हुनर वाले युवा इस मेले में हिस्सा लेकर नौकरियां पा सकते हैं। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा यह मेला बूढ़ापारा स्थित सदादर बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रदेश के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए अब तक 62 कंपनियों और प्लेसमेंट एजेंसियों से 9,449 रिक्त पदों की जानकारी सरकार को मिली है। अन्य कंपनियों से भी संपर्क जारी है, जिससे उपलब्ध अवसरों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। इस मेले के माध्यम से स्थानीय कंपनियों के साथ राष्ट्रीय स्तर की निजी कंपनियों को भी एक मंच पर लाया जा रहा है। रोजगार मेले के दूसरे दिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब चयनित युवाओं को ऑफ़ लैटर वितरित करेंगे। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा, 'राज्य सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। रोजगार मेले के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप अवसर दिलाने का प्रयास है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम बरबसपुर में 'नमो सेवा गाथा' की आकर्षक प्रस्तुति

रायपुर। सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम बरबसपुर में 'नमो सेवा गाथा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम बंबी के कलाकारों ने लोककला, गीत-संगीत एवं संवाद के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और अभियानों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने सरल एवं रोचक अंदाज में योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं से जुड़ने और पात्रतानुसार उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित 'नमो सेवा गाथा' में शासन की उन योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रमुखता से शामिल किया गया, जिनका सीधा संबंध महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका, आवास, पेयजल, सड़क, बालिका शिक्षा, बचत, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण से है। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों को इन योजनाओं के उद्देश्यों एवं उनसे मिलने वाले लाभ की जानकारी दी।

स्वच्छताकर्मियों का सम्मान: पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उपहार और प्रशस्ति पत्र देकर जताया आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले के नगर पंचायत लखनपुर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान किया गया। स्वच्छताकर्मियों को उनके समर्पण और सेवाभाव के लिए उपहार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज की नींव हमारे स्वच्छता कर्मियों के अथक परिश्रम पर टिकी है। जब शहर और गांव की अधिकांश आबादी अपने दिन की शुरुआत भी नहीं करती, उससे पहले स्वच्छता कर्मचारी सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई में जुट जाते हैं। उनका यह कार्य केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य और बेहतर जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवा है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छताकर्माल हर मौसम और अनेक कठिन परिस्थितियों के बीच अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। शहर की स्वच्छता, सुंदरता और नागरिकों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। उनके श्रम और सेवाभाव के प्रति सम्मान व्यक्त करना समाज



की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज की भावना को और मजबूत करना है। जो लोग प्रतिदिन अपने परिश्रम से हमारे आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखते हैं, उनकी सेवाओं को पहचान और सम्मान मिलना चाहिए। स्वच्छता कर्मियों का सम्मान उनके कार्य के प्रति व्यक्त करने के साथ

समाज में श्रम के सम्मान का संदेश भी देता है। श्री अग्रवाल ने कहा कि सुबह की पहली किरण से पहले जो हाथ हमारी गलियों और सार्वजनिक स्थलों को साफ करने में जुट जाते हैं, उनके परिश्रम के कारण ही हमें स्वच्छ वातावरण मिलता है। उनकी सेवा का सम्मान ही सेवा संकल्प की वास्तविक भावना है। हमें स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करने के साथ अपने स्तर पर भी स्वच्छता की जिम्मेदारी

कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मचारियों को उपहार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर स्वच्छताकर्मियों में उत्साह दिखाई दिया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समाज को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन सेवा देने वाले स्वच्छता कर्मियों के श्रम, समर्पण और योगदान का सम्मान किया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ की पुरातात्विक धरोहरों में बढ़ेगी पर्यटक सुविधाएं

ऐतिहासिक स्वरूप और मौलिकता को सुरक्षित रखते हुए विरासत पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ प्रदेश में विरासत पर्यटन को नई दिशा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), भारत सरकार और संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के मध्य बुधवार को महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) सम्पन्न हुआ। इस समझौते के माध्यम से प्रदेश के संरक्षणार्थीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों पर पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं एवं अधोसंरचना का सुनियोजित विकास किया जाएगा।

समझौते के तहत छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों के परामर्श से संरक्षणार्थीन स्मारकों एवं पुरातात्विक स्थलों के लिए पर्यटक सुविधाओं के समुचित विकास की योजनाएं तैयार की जाएंगी। इन योजनाओं के माध्यम से पुरातात्विक स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पर्यटन अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया जाएगा।



पर्यटकों के लिए विकसित की जाने वाली सुविधाओं में शौचालय, स्वच्छ पेयजल, विश्राम स्थल, कैफेटेरिया, पार्किंग और क्लॉक रूम जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ सूचना केंद्र, साइट म्यूजियम और साइनेज भी शामिल होंगे। विशेष रूप से समावेशी पर्यटन को ध्यान में रखते हुए ब्रेल साइनेज और टैक्टाइल पाथवे विकसित करने का भी प्रावधान किया गया है। इसके अलावा लैंडस्केपिंग सहित पर्यटकों की आवश्यकता के अनुरूप अन्य अधोसंरचनाओं

का भी विकास किया जा सकेगा। विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने और उनके क्रियान्वयन की सतत निगरानी के लिए योजना एवं क्रियान्वयन समिति का गठन किया जाएगा।

यह समिति परियोजनाओं को योजना तैयार करने से लेकर विकास एवं प्रबंधन तक विभिन्न चरणों की निगरानी करेगी। इससे संरक्षण और पर्यटन सुविधाओं के विकास के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सकेगा।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण और छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग के बीच महत्वपूर्ण एमओयू

पुरातात्विक धरोहरों की मौलिकता रहेगी सर्वोपरि

विकास कार्यों के दौरान ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के स्मारकों की मौलिकता और उनके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। प्रस्तावित विकास कार्यों की डिजाइन, निर्माण सामग्री एवं संरचना इस प्रकार निर्धारित की जाएगी कि संबंधित स्मारक को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचे। सभी कार्य पुरातत्वीय अधिनियमों और नियमों के अनुरूप किए जाएंगे। परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही किया जाएगा।

केंद्र, राज्य, सीएसआर और पीपीपी से जुटाए जा सकेंगे संसाधन

पुरातात्विक स्थलों पर प्रस्तावित पर्यटक सुविधाओं एवं अधोसंरचना विकास के लिए संसाधन जुटाने की भी व्यापक व्यवस्था की गई है। परियोजनाओं के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ राज्य शासन की एजेंसियों, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) तथा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के माध्यम से संसाधन जुटाए जा सकेंगे। विकसित सुविधाओं के रखरखाव और प्रबंधन की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ शासन अथवा शासन द्वारा अधिकृत एजेंसी की होगी।

यह समझौता ज्ञापन प्रदेश की पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण के साथ पर्यटक सुविधाओं के विस्तार और विरासत पर्यटन के समन्वित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे पुरातात्विक महत्व के स्थलों पर पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा और प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन के माध्यम से व्यापक पहचान दिलाने में सहायता मिलेगी।

एमओयू के अवसर पर भारतीय पुरातत्व

सर्वेक्षण, भारत सरकार के महानिदेशक के प्रतिनिधि के रूप में मध्य क्षेत्र के निदेशक डॉ. टी. अरुण राज तथा रायपुर मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् डॉ. एम. कलिमुथु उपस्थित रहे। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन की ओर से संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संचालक पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय डॉ. संजय कन्नौज सहित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में 8 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हुई सीटी स्कैन की सुविधा

अब मरीजों को जांच के लिए नहीं जाना पड़ेगा दूसरे शहर : श्याम बिहारी जायसवाल



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर चिरमिरी जिला अस्पताल में करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित सीटी स्कैन मशीन का विधिवत शुभारंभ किया। इस सुविधा के शुरू होने से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिली है। अब गंभीर बीमारियों एवं आपात परिस्थितियों में मरीजों को सीटी स्कैन जांच के लिए दूसरे शहरों अथवा निजी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अपने जन्मदिन को मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों के बीच मनाया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा फल एवं अन्य सामग्री वितरित की। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों से भी



चर्चा की।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चिरमिरी ने कोयला उत्पादन के माध्यम से लंबे समय तक देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने

की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का लाभ चिरमिरी एवं एमसीबी जिले के साथ आसपास और सीमावर्ती क्षेत्रों से उपचार के लिए आने वाले मरीजों को भी मिलेगा। अपने जन्मदिन के अवसर पर स्वास्थ्य

स्थानीय स्तर पर मिलेगी आधुनिक जांच की सुविधा

चिरमिरी जिला अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा उपलब्ध होने से गंभीर एवं आपातकालीन मरीजों की जांच स्थानीय स्तर पर ही हो सकेगी। इससे मरीजों को जांच के लिए अन्य शहरों तक जाने की परेशानी से राहत मिलने के साथ समय और अतिरिक्त आर्थिक खर्च की भी बचत होगी। समय पर जांच उपलब्ध होने से चिकित्सकों को उपचार की दिशा तय करने में भी सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि शासन का प्रयास सरकारी अस्पतालों में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार करना है, ताकि आम नागरिकों को जांच एवं उपचार के लिए बड़े शहरों अथवा निजी अस्पतालों पर निर्भर न रहना पड़े।

मंत्री जायसवाल ने कहा कि उन्होंने इस दिन को मरीजों और आम नागरिकों के बीच मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वाडों में पहुंचकर भर्ती मरीजों से बातचीत की, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। चिरमिरी जिला अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा शुरू होने से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में एक और महत्वपूर्ण सुविधा जुड़ गई है। स्थानीय स्तर पर आधुनिक जांच उपलब्ध होने से विशेषकर गंभीर एवं आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर जांच एवं उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

जिज्ञासा बॉक्स के जरिए बेटियां अब खुलकर कह सकेंगी मन की बात

गरियाबंद। बेटियां अपने मन की बात, समस्याओं और जिज्ञासाओं को बिना किसी संकोच के साझा कर सकें, इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटो बचाओ बेटो पढ़ाओ योजना के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में जिज्ञासा बॉक्स की स्थापना की गई है। कलेक्टर रणबीर शर्मा के आदेशानुसार, जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण नागेश के मार्गदर्शन तथा जिला मिशन समन्वयक सुश्री मनीषा वर्मा के नेतृत्व में यह पहल शुरू की गई है। जिला महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलर एवं सेंदर तथा शासकीय हाई स्कूल जिडार एवं कुल्हाड़ीघाट में जिज्ञासा बॉक्स स्थापित किए गए हैं।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहल उपलब्ध यहां उचित व्याज दर पर धारवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca Paryware AJAY FLOWLINE

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai

PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रायगढ़ में घर से सागौन-साल की लकड़ी जब्त, वन विभाग ने की कार्रवाई

रायगढ़। रायगढ़ जिले में वन विभाग ने अवैध लकड़ी के खिलाफ कार्रवाई की है। जामगांव सर्किल के भगोरा गांव में एक घर से सागौन के लट्टे और साल प्रजाति की चिरान बरामद की गई है। मामला रायगढ़ वन परिक्षेत्र का है। वन विभाग को गुरुवार को सूचना मिली थी कि भगोरा गांव में रथलाल राठिया के घर में सागौन और साल की अवैध लकड़ी का भंडारण किया गया है। सूचना के बाद उडुनदस्ता और विभागीय अमले की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घर की जांच की तो वहां सागौन के बड़े-बड़े लट्टे और साल की चिरान मिली। वन कर्मियों ने लकड़ी से जुड़े दस्तावेज मांगे, लेकिन रथलाल कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इसके बाद टीम ने सभी लकड़ियों को जब्त कर लिया। वन विभाग के मुताबिक बरामद लकड़ी की कीमत 50 हजार रुपए से ज्यादा होने का अनुमान है। हालांकि, इसकी सही कीमत आकलन के बाद ही स्पष्ट होगी।

जनरल स्टोर से 200 पैकेट गुटखा चोरी, नाबालिग समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ जिले में जनरल स्टोर का शटर तोड़कर चोरी करने वाले 2 नाबालिग समेत 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने दुकान से नकदी और राजश्री गुटखा के करीब 200 पैकेट समेत 25 हजार रुपए से अधिक का सामान चोरी किया था। चोरी के बाद सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया था। अगले दिन आरोपी गुटखा कम कीमत में बेचने की कोशिश कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। सिंधी कार्लोनी, कच्ची खोली निवासी हरिचंद अम्बुबानी ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कालीबाड़ी सिविल लाइन स्थित दीपक जनरल स्टोर को 26 सितंबर की रात करीब 10 बजे बंद कर घर चले गए थे। सुबह दुकान पहुंचने तो शटर क्षतिग्रस्त मिला। गल्ले में रखी नकदी और राजश्री गुटखा के करीब 200 पैकेट समेत 25 हजार रुपए से अधिक का सामान गायब था। पुलिस ने तीनों को सक्षम न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें रिमांड पर भेज दिया गया।

गांजा बेचने की तैयारी कर रही महिला एकड़ि गई

भिलाई। नंदिनी नगर थाना क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अहिवारा बेरला कुम्हारी बाईपास रोड के किनारे संदिग्ध महिला को गांजा के साथ पकड़ी। पुलिस के अनुसार महिला सड़क किनारे खड़े होकर ग्राहक तलाश रही थी और गांजा बेचने की तैयारी में थी। मौके पर पहुंची टीम ने पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1.365 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 68,600 बताई गई है। आरोपी की पहचान लक्ष्मी बाई सोनी, उम्र 50 वर्ष, वार्ड क्रमांक 01, अहिवारा निवासी के रूप में हुई। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड पर महिला केंद्रीय जेल भेजा।

ट्रक पलटने से 1.19 करोड़ का गांजा मिला, प्लास्टिक की बोरियों में छुपाया गया था

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ में गांजा तस्करी के खिलाफ पुलिस ने 2 जिलों में बड़ी कार्रवाई की है। सूरजपुर जिले के घाट पेंडारी में उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा ट्रक पलट गया। प्लास्टिक दाना की बोरियों से कुछ बोरियों को अलग रखने पर लोगों को शक हुआ। जांच करने पर 238 किलो गांजा बरामद हुआ है। जिसकी कीमत 1 करोड़ 19 लाख रुपए आंकी गई है।

पहला केस: सूरजपुर में ट्रक से 238 किलो गांजा बरामद

जानकारी के मुताबिक 30 सितंबर को अंबिकापुर-बनारस स्टेट हाईवे पर घाट पेंडारी के मुख्य घाट में ट्रक पलट गया था। ट्रक के ड्राइवर सुनील कुमार ने ट्रक को क्रेन के जरिए उठवाया और बिखरे बोरियों को मजदूरों से उठवा रहा था। ट्रक में प्लास्टिक दाने भरे हुए थे। सुनील कुमार ने ट्रक में लदे कुछ बोरियों को अलग रखकर

सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी के खिलाफ पुलिस की सख्ती

कवर्धा। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ कबीरधाम पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने भोरमदेव और पिपरिया थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करते पाए गए पांच लोगों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 36(च)(1) के तहत पांच अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों पर निगरानी रखी जा रही है।

गोदाम से निर्माण सामग्री चोरी करने वाले 6 आरोपियों के साथ सामान खरीदने वाला कबाड़ी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ग्राम समोदा स्थित गोदाम से करीब 98,000 रुपए कीमत की निर्माण सामग्री चोरी करने वाले आरोपियों की पहचान कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। चोरी का विरोध करने पर प्रार्थी के पैर में लोहे के पाइप से चोट पहुंचाने वाले आरोपी की पहचान कर घटना में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई। 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय एवं 03 विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने चोरी के सामान खरीदने वाले व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी विमल कुमार ताम्रकार (52) निवासी तमेर पारा, किला दुर्ग द्वारा 29 सितंबर को चौकी जेवरा सिरसा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ग्राम समोदा नदी रोड स्थित उनके खेत के गोदाम में सिविल ठेकेदारी से संबंधित सामग्री रखी थी। दिनांक 28.09.2026 की रात्रि लगभग 11:38 बजे मोबाइल के माध्यम से गोदाम के पास संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर वे अपने निवास दुर्ग

ससुराल वाले ने ईसाई धर्म अपनाने बनाया दबाव, जान से मारने की दी धमकी, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

रायपुर। रायपुर में एक महिला ने अपने पति, सास और ससुर पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने और इनकार करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता तन्त्रु पटेल (26) ने बताया कि, साल 2023 में उसकी शादी विनीत सुता के साथ हिन्दू रीति-रिवाज से हुई है। महिला का आरोप है कि पति विनीत, सास निवेदिता और ससुर अजय उस पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए लगातार दबाव बनाते थे। 27 सितंबर की



रात करीब 8 बजे परिवार के सभी लोग खाना खा रहे थे। इसी दौरान उससे धर्म परिवर्तन करने के लिए कहा गया। तन्त्रु ने धर्म बदलने से इनकार कर दिया तो पति, सास और ससुर ने मिलकर उसके साथ लात-घूसों से मारपीट की। महिला ने शिकायत

में जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। शिकायत में तन्त्रु ने आरोप लगाया है कि, ससुर ने उससे कहा कि धर्म परिवर्तन करवाने के उद्देश्य से ही उसके बेटे की शादी उससे कराई गई है। उसने आरोप लगाया कि, धर्म परिवर्तन नहीं करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। इसके बाद उसने तेलीबांधा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और कार्रवाई की मांग की। मामले में आगे की कार्रवाई पुलिस अधिकारी कर रहे है।

महानदी किनारे झाड़ियों में फंसे मिले 2 शव, बाढ़ में बहकर आने की आशंका, शव गलने से पहचान में दिक्कत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर शहर से लगे आरंग के चिखली गांव में महानदी किनारे दो शव मिले हैं। दोनों शव नदी के तेज बहाव में बहकर किनारे की झाड़ियों में फंसे हुए थे। ग्रामीणों ने नदी किनारे शव देखे तो इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दोनों शव काफी गल चुके हैं।

ऐसे में उनकी पहचान करने में परेशानी हो रही है। फिलहाल, पुलिस महानदी से लगे जिलों और बनाल में बाढ़ प्रभावित इलाकों के थानों से संपर्क कर रही है। वहां दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि शवों की पहचान हो



सके। मामला आरंग थाना क्षेत्र का है।

एक शव महिला का, दूसरे की पहचान नहीं

पुलिस के मुताबिक, बरामद दो शवों में से एक महिला का है। दूसरे शव की पहचान नहीं हो पाई है। दोनों शव काफी गल

चुके हैं, जिससे शिनाख्त में दिक्कत आ रही है। पुलिस आसपास के जिलों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों से जानकारी का मिलान कर रही है। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण महानदी का जलस्तर बढ़ गया था। नदी किनारे के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी

थी। पुलिस को आशंका है कि दोनों शव नदी किनारे दफन किए गए होंगे और बाढ़ के तेज बहाव में बहकर चिखली तक पहुंचे। पुलिस इस संभावना की भी जांच कर रही है कि दोनों लोग बाढ़ के पानी में बह गए हों और डूबने से उनकी मौत हुई हो। वहीं हत्या के बाद शव नदी में बहाए जाने की आशंका को भी जांच के दायरे में रखा गया है। महानदी से लगे दूसरे जिलों के थानों से संपर्क कर लापता लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह पता चलेगी। फिलहाल पुलिस शवों की पहचान करने और मामले से जुड़ी जानकारी जुटाने में लगी है।

लखनऊ उत्तरप्रदेश ले जा रहे थे। फिलहाल, पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

दूसरा केस: एडवोकेट हाईकोर्ट लिखी कार से 63 किलो गांजा बरामद

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के भटगांव थाना क्षेत्र में पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सारंगढ़ की तरफ से एक ऑल्टो कार आती दिखाई दी। पीछे से आ रही कार तेज रफ्तार में पहुंची और पुलिस के लगाए स्टॉपर को टक्कर मारकर भागने लगी। गिरवानी पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी कर कार को रोक लिया गया। कार के पीछे ‘एडवोकेट हाईकोर्ट’ लिखा हुआ था। पुलिस ने पकड़ी गई कार और मौके पर छोड़ी गई ऑल्टो की तलाशी ली। दोनों वाहनों से चार प्लास्टिक बोरियों में कुल 63.350 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मामले में सुनील बेलदार, अरविंद कुमार ठाकुर, सुरेंद्र यादव, सागर सिंह और

मेहाबब अहमद को गिरफ्तार किया है। एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। वहीं, एक आरोपी फरार है।

तीसरा केस: लोहे की अलमारी में छिपाकर रखी था 39.76 किलो गांजा

तीसरी कार्रवाई सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ही बेलादुला चौकी क्षेत्र में हुई। टीम ने तेंदुहरहा के पास घेराबंदी कर नारंगी-लाल रंग के आयशर वाहन को रोक लिया। पुलिस ने तलाशी ली तो उसके अंदर भूरे टेप में लिपटे 35 पैकेट मिले। इनमें कुल 39.76 किलो गांजा बरामद हुआ। इअनुज कुमार गौतम और टिंकू वर्मा को गिरफ्तार किया है। दोनों उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले हैं। सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।



ओडिशा बताया।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह स्कैप रंगाली कैंप, जिला बरगढ़, ओडिशा स्थित कबाड़ी दुकान से लेकर आया था। इसे पूंजीपथरा के किसी प्लांट में खपाने के लिए लाया गया था। पुलिस ने वाहन में लोड करीब 14 टन स्कैप, जिसकी कीमत 3.98 लाख रुपए है, और परिवहन में इस्तेमाल टाटा माजदा वाहन, जिसकी कीमत करीब 8 लाख रुपए है, जब्त किया। दोनों की कुल कीमत 11.98 लाख रुपए है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 35(क)(ड) बीएनएस और 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)		
दुर्ग, दिनांक 29.09.2026		
(ई-प्रोक्वोरमेंट निविदा सूचना)		
(प्रथम आमंत्रण)		
छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाइन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 19.10.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-		
निविदा आमंत्रण सू.क्र. / सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
341 / 200541	शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वास्थ्य महाविद्यालय दुर्ग में प्राणीशास्त्र विभाग हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	15.75
टोप		
1. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तों, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्वोरमेंट वेब Portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।		
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।		
अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग		
जी-262703703/3		



खरीदने वाले कबाड़ी से चोरी की सामग्री तथा बिक्की से प्राप्त रकम बरामद कर जप्त की गई। प्रकरण में कुल 06 आरोपियों को दिनांक 30.09.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड हेतु न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। 03 विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में आरोपी वासु निषाद एवं गिरवर यादव घटना दिनांक से फरार हैं, जिनकी पतासाजी की जा रही है।

उक्त कार्रवाई में चौकी जेवरा सिरसा में पदस्थ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके द्वारा त्वरित सूचना संकलन, आरोपियों की पतासाजी, पूछताछ एवं चोरी की सामग्री की बरामदगी हेतु कार्रवाई की गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपने गोदाम, खेत, निर्माण स्थल एवं अन्य संपत्तियों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा चोरी की सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाना/चौकी को दें। अपराध की सूचना समय पर मिलने से पुलिस को आरोपियों की पहचान एवं चोरी की संपत्ति की बरामदगी में सहायता मिलती है।

जमीन विवाद में भतीजी की कुल्हाड़ी से हत्या, पिता-पुत्र को उम्रकैद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के ग्राम कोटवारपारा तोयलंका में करीब 2 साल पहले हुई बिंदू सोढ़ी की हत्या के मामले में कोर्ट ने पिता-पुत्र को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार आदित्य ने चैतु सोढ़ी और उसके बेटे कुम्मा सोढ़ी को हत्या का दोषी माना। दोनों को आजीवन कारावास के साथ 2-2 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना नहीं देने पर दोनों को एक-एक महीने की अतिरिक्त जेल होगी।



मामला कटेकल्याण थाना क्षेत्र का है। वारदात 24 जून 2024 की थी। उस समय बिंदू सोढ़ी अपने परिवार के साथ खेत में धान की बुआई और जुताई करा रही थी। इसके लिए दूसरे गांव से ट्रैक्टर बुलाया गया था। इसी दौरान बिंदू का चाचा चैतु सोढ़ी (50) अपने बेटे कुम्मा सोढ़ी (31) के साथ कुल्हाड़ी लेकर खेत पहुंचा। धान की

बुआई को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। चैतु ने बिंदू को जान से मारने की धमकी दी और कुल्हाड़ी लेकर उसके पीछे दौड़ा। बिंदू खेत की ढलान की ओर भागते समय गिर गई। इसके बाद कुम्मा ने उसे पकड़ लिया। चैतु ने टंगिया से बिंदू के गाल, गले और सिर पर वार किए। हमले में बिंदू गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी। बिंदू के शव का पोस्टमॉर्टम डॉ. टिकेंद्र देवांगन ने किया था। पोस्टमॉर्टम में सिर और चेहरे पर धारदार हथियार से चोट के निशान

मिले। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 15 गवाहों के बयान कराए।

पुलिस जांच, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, गवाहों के बयान और जब्त सामान के आधार पर अभियोजन ने आरोप साबित किए। कोर्ट के अनुसार, बिंदू और आरोपियों के बीच जमीन को लेकर पहले से विवाद था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य सबूतों के आधार पर कोर्ट ने माना कि चैतु और कुम्मा ने मिलकर बिंदू पर हमला किया था। सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार आदित्य ने दोनों को हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

14 टन अवैध स्कैप जब्त, ओडिशा से लाकर प्लांट में खपाने की थी तैयारी, 11.98 लाख की संपत्ति सीज

खास-खबर



आशीष टिकरिया ने जनसंपर्क संचालक का पदभार संभाला

रायपुर। जनसंपर्क विभाग के नव नियुक्त संचालक आशीष टिकरिया ने आज जनसंपर्क संचालनालय में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका आत्मीय स्वागत करते हुए नवीन दायित्व के लिए ने शुभकामनाएं दीं।

दिसंबर में 6 एक्सप्रेस ट्रेनों के 8 फेरे रद्द, 5 राज्यों के यात्री होंगे प्रभावित

रायपुर। छत्तीसगढ़ से रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। रेलवे के नॉन-इंटरलॉकिंग काम के चलते दिसंबर में लंबी दूरी की 6 एक्सप्रेस ट्रेनों के कुछ फेरे रद्द रहेंगे। इनमें हैदराबाद-रक्सौल, तिरुपति-रक्सौल और वास्को डी गामा-जसीडीह एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों के 7 से 17 दिसंबर के बीच अलग-अलग तारीखों के फेरे रद्द किए गए हैं। इससे छत्तीसगढ़ के अलावा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और गोवा से यात्रा करने वाले यात्रियों पर भी असर पड़ेगा। रेलवे ने यात्रियों से घर से निकलने से पहले 139 या हड़झक पर ट्रेन का स्टेटस चेक करने की अपील की है।

5 अक्टूबर को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन

महासमुंद्र। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र महासमुन्द्र द्वारा 05 अक्टूबर 2026 को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मेचवा, महासमुन्द्र में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। मेले के माध्यम से निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों में 232 विभिन्न पदों पर योग्य अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी।

वरिष्ठों का अनुभव शक्ति और उनकी गरिमा हमारी जिम्मेदारी : लक्ष्मी राजवाड़े

- प्रोजेक्ट सियान आशीष सेवा' और 'प्रोजेक्ट सियान श्रम सम्मान' का हुआ शुभारम्भ
- 1810 वरिष्ठजनों को यात्रा के लिए निशुल्क बस पास का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा में सियान सेवा महाकुंभ आयोजित किया गया। समाज कल्याण तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने वरिष्ठजनों को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनसे संवाद किया। कार्यक्रम में 4 हजार से अधिक वरिष्ठजन लाभान्वित हुए। महाकुंभ में नई सियान आशीष सेवा योजना के अंतर्गत 80 वर्ष से अधिक आयु के 1810 वरिष्ठ नागरिकों को सम्पूर्ण भारत में निशुल्क यात्रा के लिए बस पास प्रदान किए गए। इसके साथ ही आवश्यकता के अनुसार 2 हजार छड़ियां, एक हजार श्रवण यंत्र और 20 ट्राइसाइकिल वितरित की गईं। बस पास से वरिष्ठजनों को यात्रा में सुविधा मिलेगी, जबकि सहायक उपकरण उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों को सुगम बनाएंगे।



वरिष्ठजन हमारी सांस्कृतिक विरासत और जीवन अनुभव के संवाहक

मंत्री राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि वरिष्ठजन हमारी सांस्कृतिक विरासत और जीवन अनुभव के संवाहक हैं। उन्होंने अपने परिश्रम से परिवार और समाज को मजबूत आधार दिया है। उनका सम्मान करने के साथ उनके अनुभव को समाज के विकास में भी स्थान देना चाहिए। उन्होंने कहा, वरिष्ठजन केवल कल की विरासत नहीं हैं, बल्कि आज के विकास के सहभागी हैं। विकसित भारत के संकल्प और नवा अंजोर-अंजोर 2047 की सोच में वरिष्ठजनों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

सरकार दे रही वरिष्ठजनों के गरिमापूर्ण जीवन पर भी ध्यान

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का वृद्धजन कल्याण का संकल्प पेंशन तक सीमित नहीं है। वरिष्ठजनों की स्वास्थ्य सुरक्षा, देखभाल, आवागमन, सामाजिक सहभागिता और गरिमापूर्ण जीवन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इस वित्तीय वर्ष में राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के लिए 400 करोड़ और मुख्यमंत्री पेंशन योजना के लिए 450 करोड़ का बजट है। विभाग की विभिन्न योजनाओं से प्रदेश के 15,90,080 वरिष्ठजन लाभान्वित हो रहे हैं।

वरिष्ठजनों के चेहरे की मुस्कान से आंकी जाए योजनाओं की सफलता

मंत्री राजवाड़े ने सियान हेल्पलाइन 155326 की जानकारी देते हुए कहा कि आवश्यकता के समय वरिष्ठजनों को सहायता और भरोसा मिलना चाहिए। उन्होंने वृद्धाश्रमों, अटल वयो अभ्युदय योजना, प्रशामक देखरेख गृह और सियान गुड़ी जैसी व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विभाग का प्रयास वरिष्ठजनों को सुरक्षित, आत्मीय और सम्मानपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है। उनका ध्यान ऐसे समाज के निर्माण पर है, जहां वरिष्ठजन स्वस्थ और सक्रिय रहें तथा परिवार और समुदाय से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि वरिष्ठजनों के जीवन में आई सुविधा और उनके चेहरे की मुस्कान से आंकी जानी चाहिए। उन्होंने सभी से सुरक्षा, सहभागिता और गरिमा के तीन संकल्प लेने का आह्वान किया। श्रीमती राजवाड़े ने कहा, आपका अनुभव हमारी शक्ति है, आपकी गरिमा हमारी जिम्मेदारी है और आपकी सहभागिता विकसित छत्तीसगढ़ की पहचान है।



ढाई लाख से ज्यादा वरिष्ठों को मिला आध्यात्मिक यात्रा का लाभ

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि इसके माध्यम से अब तक 2 लाख 55 हजार 845 वरिष्ठजनों को आध्यात्मिक यात्रा का लाभ मिला है। तीर्थयात्रा कई वरिष्ठजनों की जीवनभर की इच्छा होती है और यह योजना उन्हें उस इच्छा को पूरा करने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि सियान आशीष सेवा योजना के बस पास भी वरिष्ठजनों की यात्रा को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे इन्हें निःशुल्क यात्रा का लाभ मिलेगा।

वृद्धजन दिवस पर रायपुर जिला प्रशासन की विशेष पहल

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर रायपुर जिला प्रशासन ने 'प्रोजेक्ट सियान आशीष सेवा' और 'प्रोजेक्ट सियान श्रम सम्मान' की शुरुआत की। प्रोजेक्ट सियान आशीष सेवा के तहत जिले के 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों को देशभर में यात्रा के लिए निःशुल्क बस पास उपलब्ध कराया गया। प्रोजेक्ट सियान श्रम सम्मान के अंतर्गत श्रम विभाग में लंबे समय से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को संबंधित योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इसके तहत 60 वरिष्ठ श्रमिकों को लाभ प्रदान किया गया।

डिप्टी सीएम शर्मा ने जाना सड़क हादसे में घायलों का हाल

- बेहतर उपचार के लिए निर्देश, चार घायल स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नेशनल हाईवे-30 स्थित मरकाटोला घाट पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में घायल कवर्धा के लोगों से मिलने उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय पहुंचे। उन्होंने घायलों का कुशलक्षेम जाना और उनके परिजनों से मुलाकात कर उपचार की स्थिति की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने घायल रोमन सोरा से मुलाकात कर उनसे स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने परिजनों से भी उपचार और अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में चर्चा की। परिजनों ने उपचार व्यवस्था पर संतुष्टि व्यक्त की।



डिप्टी सीएम शर्मा ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से घायल के स्वास्थ्य और आगे के उपचार की जानकारी ली। चिकित्सकों ने बताया कि घायल के पैरों का ऑपरेशन किया जाना है। शारीरिक स्थिति सामान्य होने के बाद आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस पर उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों एवं संबंधित अधिकारियों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर

अस्पताल सुपरिटेण्डेंट डॉ संतोष सोनकर, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सुंदरानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री शर्मा हादसे के बाद से लगातार सभी घायलों के उपचार की जानकारी ले रहे हैं। एक घायल को उच्च स्तरीय उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निःशुल्क उपचार सुनिश्चित कराया जा रहा है।

खेल अकादमियों में प्रवेश के लिए रायपुर में 169 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

- अकादमी में प्रवेश के लिए दो दिवसीय ट्रायल संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 1 अक्टूबर 2026. खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु रायपुर स्थित विभिन्न गैर-आवासीय खेल अकादमियों में खिलाड़ियों के प्रवेश के लिए दो दिवसीय चयन ट्रायल आज संपन्न हुआ। चयन ट्रायल के अंतिम दिन आज चारों खेलों में पंजीकृत कुल 169 खिलाड़ियों की कौशल दक्षता का कड़ाई से परीक्षण किया गया। वरिष्ठ प्रशिक्षकों एवं विशेषज्ञों ने हॉकी और फुटबॉल के 57-57, तीरंदाजी के 23 और एथलेटिक्स के 32 खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया। खिलाड़ियों के सटीक मूल्यांकन के लिए खेल के मानकों के आधार पर दक्षता परीक्षण किया गया। प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों ने फुटबॉल में पार्सिंग, ड्रिबलिंग, व्यक्तिगत पोजिशन, मैच सेंस और

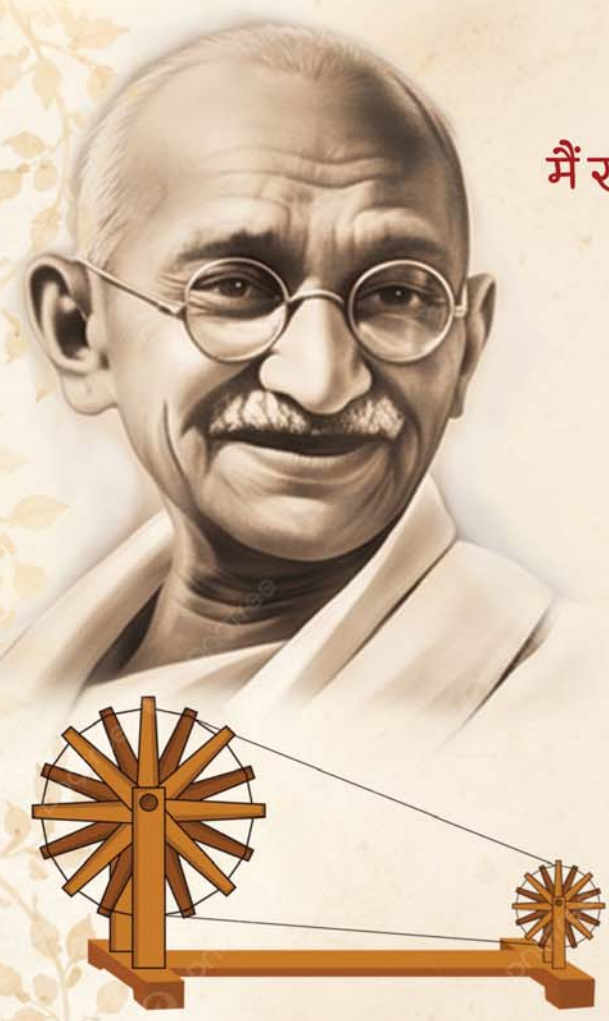
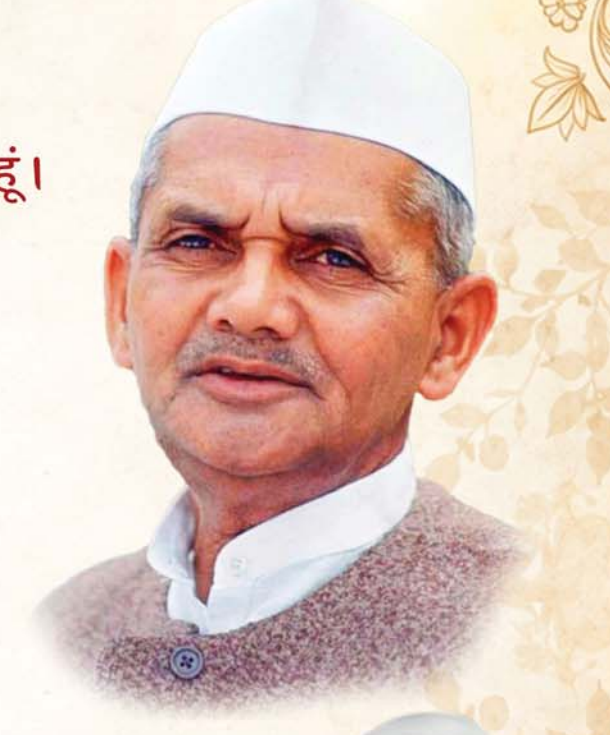


पोजिशनिंग गेम का परीक्षण किया। वहीं आर्चरी में डॉ लेंथ, आई डोमिनैस, पोस्चर, मेंटल एंबिलिटी तथा 20 मीटर शूटिंग का परीक्षण किया गया। एथलेटिक्स के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर दौड़, पैदल चाल, हाई जंप, लॉंग जंप, गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेंक इत्यादि का परीक्षण किया गया। हॉकी में परफेक्शन और एक्युरेसी स्किल टेस्ट के तहत हिट, पुश, स्कूप, स्टॉपिंग, रिसीविंग, टैकलिंग, क्लियरेंस, पेनल्टी कॉर्नर आदि का आकलन किया गया।



मेरे लिए राष्ट्रभक्ति मानवता के समान है
मैं राष्ट्रभक्त हूं, क्योंकि मैं मानव हूं और मानवतावादी हूं।
- महात्मा गांधी

सत्य और अहिंसा के अग्रदूत
महात्मा गांधी जी
एवं
भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री
लाल बहादुर शास्त्री जी
की जयंती पर शत-शत नमन।




श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

Visit us :

[f ChhattisgarhCMO](#)
[X ChhattisgarhCMO](#)
[@ ChhattisgarhCMO](#)
[ChhattisgarhCMO](#)
[DPRChhattisgarh](#)
[X DPRChhattisgarh](#)
[www.dpreg.gov.in](#)



हमसे जुड़ने के लिए
QR CODE स्कैन करें

